

श्रौतनृसिंहकारिका f. Titel einer Schrift Ind. St. 1,470. fg.

श्रौतपद्धति f. Titel einer Schrift Verz. d. Oxf. H. 383, a, No. 460.

श्रौतप्रायश्चित्त n. Titel eines Pariçishṭa zum SV. Verz. d. Oxf. H. 383, b, No. 466. °चन्द्रिका f. Titel einer Schrift Notices of Skt Mss. 88.

श्रौतवर्ण (von श्रुतवर्ण) n. N. eines Sāman Ind. St. 3,241, b.

श्रौतर्ष (von श्रुतर्षि) 1) m. patron. des Devabhāga TBa. 3,10, 9, 11. CAT. Br. 2,4, 4, 5. — 2) n. N. eines Sāman Ind. St. 3,241, b. — Vgl. श्रौतश्रि.

श्रौतश्रव (von श्रुतश्रवा) m. metron. des Çiçupāla MBh. 3,637.

श्रौतसूत्र n. ein auf der Çruti beruhendes Sūtra (Gegens. गृह्यसूत्र oder स्मार्तसूत्र) WILSON, Sel. Works 2,280. fgg. Verz. d. Oxf. H. 384, a, No. 471. fg. 386, b, No. 508. 393, b, No. 94. 403, a, No. 3. Ind. St. 9, 173. Notices of Skt Mss. 100.

श्रौतस्मार्तकर्मपद्धति (so ist wohl zu lesen st. °स्मार्णकर्म) f. Titel einer Schrift Verz. d. B. H. No. 246.

श्रौतहोम Titel eines Pariçishṭa des SV. Verz. d. Oxf. H. 383, b, No. 466.

श्रौति m. patron. (wohl von श्रुत) gaṇa गृहादि zu P. 4,2,138. davon adj. श्रौतीय ebend.

श्रौत्र (von श्रोत्र) 1) adj. (f. ई) zum Ohr in Beziehung stehend VS. 13, 57. CAT. Br. 14, 3, 8. BRH. Ār. Up. 3, 9, 13. — 2) n. a) = श्रोत्र Ohr gaṇa प्रज्ञादि zu P. 5,4,38. ÇABDAR. im ÇKDr. — b) eine Menge von Ohren gaṇa भिन्नादि zu P. 4,2,38. — c) nom. abstr. zu श्रोत्रिय P. 5,1, 130, VArtt. (vgl. gaṇa युवादि ebend.). TRIK. 2,7,3. ÇABDAR. im ÇKDr.

श्रोत्रियक n. nom. abstr. von श्रोत्रिय gaṇa मनोज्ञादि zu P. 5,1,133.

श्रौमर्त im pl. als pl. zum sg. श्रौमत्य P. 5,3,118. Āçv. Çu. 12,14,3.

श्रौमत्य m. patron. von श्रुमत् P. 5,3,118. CAT. Br. 10,4,5,1.

श्रौषट् indecl. in dem Opferausruß ऋतु श्रौषट् (= श्रवणं भवतु SĀ.) gaṇa चादि zu P. 1,4,57. उर्यादि zu 61. AK. 3,3,8. H. 1538. ऋतु श्रौषट् श्रिं धिया द्ये RV. 1,139,1. TS. 1,6,44,1. 3,3,2,2. CAT. Br. 1,3, 2,16. 18. 8,2,20. 2,3,2,44. 12,3,2,3. ऋतु श्रौषट् P. 8,2,91. — Vgl. वषट्, वैषट्.

श्रौष्ट (von श्रुष्टि) n. N. eines Sāman Ind. St. 3,241, b. श्रौष्टानि त्रीणि 201, a. Vgl. श्रौष्ट (die richtige Form).

श्रौष्टि (wie eben) adj. folgsam: श्रौष्टीव धुर्मनुं राय रूध्या: RV. 8,48, 2. — Vgl. युधा°.

श्रौष्टीगव (von श्रुष्टिगु) n. N. zweier Sāman Ind. St. 3,241, b.

श्रौष्टीय (von श्रुष्टि) n. N. eines Sāman Ind. St. 3,240, b.

श्र्याह (3. श्री + श्राह) n. Lotusblüthe ÇABDARTHA. bei WILSON.

श्रत hier und da fälschlich für श्रद्धा.

श्रद्धा Unādis. 3,19. adj. (f. श्रा) schlüpfzig, glatt, weich, zart (Gegens.

खर, कर्कश) AK. 3,2,11. H. 1427. HALĀJ. 4,3. MBh. 12,6854. 14,1416. AV. 20,133,5. 6. CAT. Br. 4,1,5,19. 9,1,2,40. KĀTJ. Çr. 16,3,38. श्रति°

(Gegens. श्रतिलोमश) TBa. 3,4,2,19. — Suçr. 1,24,4. 30,11. °शिला 28,1. R. 2,96,6. KATHĀS. 72,184 (सु°). स्तम्भ 37,8,9 (सु°). तार Suçr. 1, 33,12. शरा द्विविध: कर्णी श्रद्धाश्च 96,14. मांस 2,350,14. व्रण 3,12. °पिष्ट 73,21. शात्मलीफलक M. 8,396. धनुस् MBh. 1,8181. °वृषमन्विता: (पूपा:) R. 1,13,28. °तोदपाय (मूक) AK. 2,9,23. GOLĀDHJ. GOLAB.

1. श्रिग्धश्रद्धातनुवयोमाणा: VARĀH. BRH. S. 61,11. श्रिद्धा रक्ता दीर्घा श्रद्धा सुममा च भोगिनां श्रेया 68,53. वक्त्र 54. °श्रिग्धापाङ्गेन चतुषा BHĀG. P. 3,23,33. मेखला M. 2,42. वासम् R. GORR. 1,9,16. TRIK. 3,3, 396. पताका VARĀH. BRH. S. 24,9. °चन्दनकल्क R. GORR. 2,100,69. वाच्, वचन, वाक्य, गिर, वाणी, शब्द U. S. W. KĀND. Up. 2,22,1. M. 2, 159. MBh. 3,2283. 2295. 2771. 4,958. 13,6644. R. 1,30,14. 2,31,18. 85,8. 91,27. 96,7 (°तर). R. GORR. 1,11,10. 71,17. 2,21,1. 3,20,2. 5, 64,13. BHĀG. P. 1,6,21. 3,21,49. PĀÑĀR. 1,13,7. सामन् R. 2,24,34. °वादिन् R. GORR. 2,6,24. श्रिष्टुरश्रद्धापद BHAR. NĀTJAC. 18,125. KATHĀS. 72,79. विकार DAÇAR. 2,11. von Personen (= मधुरवाच् HALĀJ. 2, 210) MBh. 12,3479. Spr. (II) 309. 791. R. 2,23,9. in comp. mit einem im instr. gedachten Worte P. 2,1,31. श्राचार° Schol. श्राकारवर्णमुश्रद्धा: (वाक्व:) MBh. 3,2196. श्रद्धाम् adv.: भयविल्लावया वाचा मन्द्या श्रद्धामब्रवीत् (श्रद्धापाब्रवीत् ed. Bomb.) R. 2,34,5. 4,7,15. सु° MBh. 7,1363.

श्रद्धाक (von श्रद्धा) 1) adj. (f. श्रद्धिका) dass. AV. 20,133,5. — 2) n. Betelnuss RĀĠAN. im ÇKDr.

श्रद्धाता (wie eben) f. Glätte: श्रति° (Gegens. पारुष्य) KĀRAKA 2,5.

श्रद्धालव् m. eine best. Pflanze, = श्रमस्तक RĀĠAN. im ÇKDr.

श्रद्धान (von श्रद्धाप्) n. das Schlüpfigmachen, Glätten KĀTJ. Çr. 26,1,27.

श्रद्धाप् (von श्रद्धा), °यति schlüpfzig machen, einschmieren P. 3,1,21. KĀTJ. Çr. 26,1,22.

— सम् dass. CAT. Br. 6,5,2,4.

श्रद्धापीकृ (श्रद्धा + 1. कृ) dass.: श्रद्धि: TS. Comm. 1,139,7.

श्रव s. उच्छ्रव.

श्रङ्ग, श्रङ्गते DuĀTUP. 4,10 (गत्यर्थ). — Vgl. श्रङ्ग.

श्रङ्ग, श्रङ्गति DuĀTUP. 3,45. (गत्यर्थ). — Vgl. श्रङ्ग, श्रङ्ग.

श्रय् = श्रय् locker —, los werden, nachgeben: श्रयदुकूलं संनक्त्यतो BHĀG. P. 8,12,21. श्रयदसनभूषणकेशवन्धा: 10,16,31. 33,11. 60,24.

— caus. श्रययति DuĀTUP. 35,18, v. l. दौर्बल्ये). locker machen, lösen: बन्धनानि NĪLAK. 19. शरीरं श्रय्यते (Conj.) नाशा erschläft Spr. (II) 6420.

— श्रा locker —, los werden: यदा मनोहृदयग्रन्थिरस्य कर्मानुबद्धो दृढ श्राश्रयेत BHĀG. P. 5,3,9.

— वि dass.: °श्रयत् BHĀG. P. 6,1,60. °श्रयमान PĀÑĀR. 3,5,28. °श्रयित BHĀG. P. 10,71,34.

श्रय adj. = शिथिर, शिथिल locker, lose, schlaff, nicht fest sitzend TRIK. 3,1,7. H. 491. HALĀJ. 4,92. °हस्तगापिउव MBh. 8,4778. °बन्धन R. 6,8. वृत्ताच्छ्रयं कृति पुष्पमनोकहानाम् (वापु:) RAGH. 5,69. °शिश्रितमेखला 9,36. 19,26. ÇĀK. 133, v. l. VIKR. 146. Çiç. 7,62. श्रयाङ्ग Spr. (II) 622. श्रयाङ्गता VĀGBH. 1,11,8. °संधिता 16. VARĀH. BRH. S. 67,2. 68,38. KATHĀS. 19,99. 45,158. 104,88. Gīt. 2,15. 12,13. °शिल: कूप: Spr. (II) 3899. GOLĀDHJ. JANTR. 10. °लम्बिनीर्षटा: (adv.) KUMĀRAS. 5,47. schlaff, schwach: श्रयोयम Spr. (II) 4299. श्रयादृ PRAB. 109,7. श्रपरि° recht fest, — stark: श्रनेकवारमपरिश्रयं (adv.) परिष्वस्व UTTARAK. 108,18 (147,8). — Vgl. प्र°, वि°.

श्रयव (von श्रय) n. Schlafheit बन्धस्य SĀH. D. 221,5.

श्रयाप् (wie eben), °यते locker —, lose werden: मुबद्धस्यापि भारस्य पूर्वबन्ध: श्रयापते MBh. 1,7979.